प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, शनिवार, 22 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 85, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड धोखाधड़ी में फंसी डॉक्टर आरती लालचंदानी की 18 अप्रैल... » Pg03

अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की होगी विजिलेंस जांच

» Pg12

पीएम मित्र पार्क इन्वेस्टर्स मीट में बोले योगी

टेक्सटाइल में बांग्लादेश आगे, तो भारत क्यों नहीं

कहा- निवेश मित्र के माध्यम से 500 से ज्यादा क्लीयरेंस दिए, अयोध्या के पास अम्बेडकरनगर वस्त्र का गढ़ बना

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को पीएम मित्र पार्क इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान समेत कई व्यापारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उद्यमियों और मंत्री ने अपनी-अपनी बातें रखीं। आयोजन में उत्तर प्रदेश में इन्वेस्ट करने पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने का मिशन बनाया है। सीएम रहने उन्होंने गुजरात को टेक्सटाइल हब बनाया। अब इस विजन को देश में सात पार्क स्थापित करके बढ़ाया। यूपी देश का एकमात्र राज्य है जहां पांचं राजधानी में स्थित है। आसपास के राज्यों की आबादी भी यूपी पर निर्भर है। तीन बेसिक जरूरतों में वस्त्र भी है। यहां एक ही स्थान पर डिजाइन, सिलाई और कटाई का काम होता है। प्रदेश में आठ वर्ष में सकारात्मक माहौल तैयार किया। 33 सेक्टोरल पॉलिसी वाला यूपी देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि निवेश मित्र के माध्यम से 500 से ज्यादा क्लीयरेंस दिए गए। एमओयू की मॉनिटरिंग के लिए निवेश सारथी है। मैं खुद मॉनिटरिंग करता हूं कि एमओयू के बाद क्या समस्या आ रही है? उसे दूर करने पर मंथन करता हूं।

सीएम ने कहा कि इंसेंटिव वितरण प्रक्रिया डीबीटी के माध्यम से करते हैं। निवेशक को मंच पर बुलाकर सम्मानित करते हैं। ताकि, ये पता चले हम धरातल पर काम कर रहे हैं। जो कहा वो करके दिखाया। यूपी टेक्सटाइल के बेहतरीन हब के रूप में स्थापित हो सकता है। इसमें आश्चर्य की बात नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि प्राचीन नगरी काशी और अयोध्या केवल आध्यात्मिक चिंतन का आधार नहीं थी। बल्कि, समृद्धि को भी नई ऊंचाई दी। वहां टेक्सटाइल की संभावनाएं अनंत काल से थी। वाराणसी में साड़ी, सिल्क क्लस्टर, कार्पेट के लिए वाराणसी, भदोही और मिर्जापुर का नाम आता है। अयोध्या के पास अम्बेडकरनगर वस्त्र का गढ़ बना। गोरखपुर के पास संत कबीरनगर, आजमगढ़, मऊ, लखनऊ में टेक्सटाइल का गढ़ है। पश्चिम में मेरठ और पिलखुआ भी हैं।

सीएम ने आगे कहा कि पॉलिसी लागू करने का परिणाम है कि सप्लाई के ऑर्डर ज्यादा हैं। इसलिए तय किया कि यूपी में दस नए टेक्सटाइल पार्क बनेंगे। दो नए लेदर पार्क, संत रविदास के नाम पर बना रहे हैं। प्रधानमंत्री के विजन के तहत पीएम मित्र पार्क पांच एफ के तहत बढ़ाएंगे। रेडीमेड गार्मेंट्स में अनंत संभावनाएं हैं। बांग्लादेश की आबादी 16 करोड़ है। लेकिन, टेक्सटाइल में दुनिया भर में छा गया। 140 करोड़ की आबादी वाला भारत क्यों नहीं आगे बढ़ सका? ये सोचने वाली बात है।

पीएम मित्र पार्क में मिल चुके 83 एमओयूः सीएम

सीएम योगी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि पीएम मित्र पार्क के लिए चार लेन सड़क को मंजूरी दे दी गई है। गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद देश के 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी में होंगे। लखनऊ से कानपुर इस्लैंड तक डेडिकेटेड ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की सुविधा हो जाएगी। पीएम मित्र पार्क में 83 स्न्न मिल चुके हैं। हमारे पास लैंड, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और कौशल सभी कुछ है। जहां जितनी पुरानी मानव सभ्यता होगी, वहां कृषि और टेक्सटाइल सबसे समृद्ध रहा होगा। बीच के काले अध्याय को छोड़ दिया जाए तो उससे उभरकर प्रदेश आगे बढ़ चुका है।

सीएम ने कहा कि यूपी 13 फीसदी वस्त्र उत्पादन के साथ देश में तीसरे थान पर है। 30 फीसदी को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल स्न्न से प्रदेश में 50 हजार से अधिक रोजगार आएंगे। यूपी देश में नंबर दो की अर्थव्यवस्था है। 2029 तक दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दस नए क्लस्टर पार्क पीएम मित्र पार्क के एक्सटेंशन के रूप में काम करेंगे।

कल कानपुर दौरे पर रहेंगे मुख्यमंत्री योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को कानपुर दौरे पर रहेंगे। सीएम यहां पर कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। सबसे पहले वह चुन्नीगंज में मेट्रो स्टेशन और कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद सर्किट हाउस स्थित प्रेसीडेंशियल सुइट निर्माण को देखने जाएंगे। सीएम के आगमन को देखते हुए सभी तैयारियां कर ली गई है। उनकी सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए है। इस मौके पर सभी जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

खौफनाक कदमः भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को मारी गोली

» पुलिस ने आरोपित भाजपा नेता योगेश रोहिला को मौके से किया गिरफ्तार

» भाजपा नेता की पत्नी और एक बच्चे का इलाज जारी

बेटे-बेटी की मौत, दो गंभीर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सहारनपुर। एक भाजपा नेता ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दी। एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी और गंभीर रूप से घायल दो बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

कस्बा गंगोह के गांव सांगा-ठेड़ा का रहने वाला योगेश रोहिला भाजपा की जिला कार्यकारिणी का सदस्य है। पूर्व में वह भाजयुमो का जिला उपाध्यक्ष रह चुका है। पत्नी नेहा और गंभीर रूप से घायल दो बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इनकी 11 साल की बेटी श्रद्धा की मौके पर ही मौत हो गई। प्राथमिक जांच पड़ताल में पता चला है कि इस वारदात को घर के अंदर ही अंजाम दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि गोली लगने से 11 साल की बेटी की मौत हो गई है। बाकी घायलों का उपचार चल रहा है। मामले की घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा नेता ने इस घटना को अपनी लाइसेंसी पिस्टल से अंजाम दिया। गोलियों की आवाज सुनकर गांव के लोग इकट्ठा हो गए। जब तक लोग अंदर पहुंचे तब तक भाजपा नेता अपनी अपने बच्चों और पत्नी को गोली मार चुका था।

ग्रामीणों ने पकड़कर पीटा

इसके बाद ग्रामीणों ने से पकड़ लिया और जमकर धुनाई की और तुरंत पुलिस को सूचना दे दी। जब तक पुलिस पहुंची तब तक एक लड़की यानी कि भाजपा नेता की बेटी की मौत हो चुकी थी जबकि गंभीर रूप से घायल पत्नी और दोनों बेटों को पुलिस की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

बिठूर महोत्सव का भव्य आगाज

पहला दिन उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की मिली - जुली संस्कृति पर आधारित रहा बिठूर महोत्सव

» विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ भव्य आयोजन

» मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया महोत्सव का शुभारंभ, किया दीप प्रज्वलन

» 1857 की क्रांति में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा प्रयुक्त शस्त्रों की लगी भव्य प्रदर्शनी, मुख्य अतिथि ने अन्य जनप्रतिनिधियों संग किया अवलोकन

» अनूप जलोटा का भजन रहा प्रमुख आकर्षण

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दिखी धूम

महोत्सव में सर्वप्रथम स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें नृत्य, रंगोली, स्लोगन /कला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इसके उपरांत कानपुर कथक कला केंद्र द्वारा गणेश वंदना व गंगा अवतरण से सम्बंधित कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रिंस डांस ग्रुप द्वारा भगवान कृष्ण व भारतीय तिरंगा से सम्बंधित भाव प्रस्तुति की गई। रमाश्चीर सागर, पुणे द्वारा गोदावरी से गंगा- जमुना तक पर आधारित लोकगीत प्रस्तुत किया गया और विनोद कुमार द्विवेदी एवं आयुष द्विवेदी द्वारा ध्रुपद गायन किया गया।

भजन सम्राट अनूप जलोटा ने दी प्रस्तुति

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की मिली - जुली संस्कृति पर आधारित बिठूर महोत्सव का शानदार आगाज हुआ । महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा फीता काटकर व दीप प्रज्वलन कर किया गया।इसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत कई जिलों के विभिन्न उत्पादों के लगे स्टॉलों का अवलोकन किया गया। इसके उपरांत उनके द्वारा 1857 की क्रांति के दौरान मराठाओं व स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा प्रयुक्त किए गए शस्त्रों का अवलोकन किया गया। महोत्सव के शुभारंभ की घोषणा करते हुए श्री सतीश महाना ने कहा कि मां गंगा पूरी दुनिया में अपने पौराणिक,ऐतिहासिक,धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व होने के कारण जानी जाती हैं और बिठूर इस पवित्र नदी के किनारे बसा अलौकिक स्थल माना जाता है।

बिठूर में अवस्थित ब्रह्म कुटी का ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व जग जाहिर है। उन्होंने कहा, बिठूर 1857 की क्रांति में क्रांतिकारियों का मुख्य केंद्र रहा।

यहां रानी लक्ष्मीबाई का बाल्य काल बीता और यही इन्होंने शस्त्र विद्या भी ग्रहण की। हमारा देश सनातनी है, जो वसुधैव कुटुंबकम के वाक्य का अनुसरण कर निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्य अतिथि ने महोत्सव स्थल पर लगे शस्त्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहरों को संजोकर रखना बहुत ही सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा, समस्त कानपुर नगर का मिश्रित रूप बिठूर है, जहां भव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को कानपुर नगर की विशेष चिंता है इसलिए वे आगामी 23 मार्च को बिठूर महोत्सव में सम्मिलित होने के साथ–साथ कानपुर के विकास को लेकर अधिकारियों के साथ गहन मंथन करेंगे और कानपुर के विकास को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा– निर्देश भी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने महाकुंभ का भव्य आयोजन कर दिखा दिया कि वर्तमान सरकार धर्म, समर्पण, संस्कार, बंधुत्व और बेहतर प्रबंधन को लेकर काफी गंभीर है। महाकुंभ की तरह गंगा के किनारे बसा बिठूर भी अपने आध्यात्मिक ऐतिहासिक सांस्कृतिक पहचान के लिए विश्व में जाना जाता है।वहीं, बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सागर ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि बिठूर नानाराव पेशवा, तात्या टोपे,रानी लक्ष्मीबाई और अजीमुल्ला खान की कर्म व संघर्ष स्थली रही है, जिन्होंने अपने शौर्य व पराक्रम के बल पर अंग्रेजों से जमकर लोहा लिया और उन्हें नाको चने चबवा दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, सांसद मिश्रिख अशोक रावत, विधायक अभिजीत सिंह सांगा, विधायक सुरेंद्र मैथानी तथा विधायक अरुण पाठक का पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

भजन संध्या में अनूप जलोटा ने बांधा समां

महोत्सव में कल विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य, गायन एवं लघु नाटिका का मंचन,कुशान पटेल ग्रुप द्वारा क्विज कार्यक्रम, स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति, श्री राम कला केंद्र द्वारा रामायण आधारित नाट्य प्रस्तुति व अंत में 8:00 बजे से बहु प्रतीक्षित विराट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।बिठूर महोत्सव में कल कवि हरिओम पवार,डॉ सुनील जोगी, प्रवीण शुक्ला, शशिकांत यादव,कमलेश शर्मा, अभय निर्भीक, शबीना अदीब, हेमंत पाण्डेय,शिवशरण बंधु, शंभू शिखर व मुकेश श्रीवास्तव द्वारा काव्य पाठ किया जायेगा ।

धोखाधड़ी में फंसी डॉक्टर आरती लालचंदानी की 18 अप्रैल को कोर्ट में पेशी

» कानपुर मेडिकल कॉलेज में चर्चित रही डॉक्टर चांदनी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं

डॉक्टर नीना रायजादा को पागल घोषित करके जारी किया था फर्जी प्रमाण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम)की चर्चित पूर्व प्रधानाचार्य डॉक्टर आरती लालचंदानी के खिलाफ जमानती वारंट महानगरी मजिस्ट्रेट प्रथम की अदालत से जारी किया गया है. वह विगत कई वर्षों से अदालत में हाजिर नहीं हो रही थी. उनके खिलाफ डॉक्टर नीना रायजादा ने स्वरूप नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था. जिसमें आरोप लगाया था कि डॉक्टर चांदनी ने उनको पागल घोषित करने का प्रमाण पत्र उनके विपक्षी गणों को दिया है। इस पर डॉक्टर चांदनी के खिलाफ स्वरूप नगर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ परंतु तत्कालीन भ्रष्टाचारी इंस्पेक्टर राजीव सिंह द्वारा व नगर निगम चौकी इंचार्ज ने मुकदमा दर्ज होने के बावजूद उनके चरित्र सत्यापन में लिखा कि उनके खिलाफ यहां पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं है।

इसके पीछे उन्होंने लंबा चौड़ा कागजी खेल किया जो स्पष्ट रूप से सरकारी दस्तावेजों में मौजूद है और साक्षी के तौर पर यह मुकदमा जमानती वारंट जिसमें जारी हुआ है वह इस बात का प्रमाण है।

स्थानीय न्यायालय ने उन्हें 18 अप्रैल 2025 को अदालत में तलब किया है ।अब इससे डॉक्टर चांदनी की मुश्किलें और बढ़ती चली जा रही हैं, पूर्व में डॉ आरती लालचंदानी ने अल्पसंख्यक समुदाय पर एक टिप्पणी की थी जिस पर मुख्यमंत्री ने रातों-रात उन्हें यहां से विदा कर दिया था और डॉक्टर आरबी कमल को चार्ज दे दिया था, इतना ही नहीं झूठ बोलने में माहिर डाक्टर आरती लालचंदानी ने संक्रामक रोग में तैनात रही स्टाफ नर्स बिंदु यादव का आवास भी गलत ढंग से बगैर किसी की मौजूदगी के जिला अधिकारी को गुमराह करके दो दिन के अंदर तोड़फोड़ कर दी थी।

जिसमें लाखों रुपए की लूटपाट की गई थी। इस प्रकरण में भी मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए थे जिसे जांच में हेरा फेरी तत्कालीन एटीएम सिटी ने की। इसकी शिकायत तत्कालीन आयुक्त से की गई उन्होंने एडीएम सिटी की रिपोर्ट को निरस्त करते हुए नए सिरे से जांच करने के आदेश पारित किया परंतु वह जांच भी ठंडा बस्ती में जब चली गई तब अब यह मामला माननीय उच्च न्यायालय की चौखट पर चला गया है और पीड़ित बच्चों को माननीय उच्च न्यायालय से पूरे न्याय मिलने की उम्मीद है ।डॉ नीना राय ज्यादा भी न्याय पाने के लिए पूरी तरह से कई वर्षों से संघर्ष कर रही थी जिसमें उन्हें अब सफलता मिलती दिख रही है।

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टर नीना रायजादा ने आरती लालचंदानी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी भी दायर कर रखी है।

वेडिंग फोटोग्राफर एसोसिएशन का वार्षिक उत्सव संपन्न

नया शिवली रोड स्थित गेस्ट हाउस में आयोजित हुआ कार्यक्रम

संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उप्र कल्याणकारी व्यापार मंडल वेडिंग फोटोग्राफर एसोसिएशन का वार्षिक उत्सव नया शिवली रोड स्थित गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पनकी मंदिर महामंडलेश्वर कृष्णदास जी और प्रदेश अध्यक्ष संदीप पांडेय और विधायक नीलिमा कटियार मौजूद रहीं। मुख्य अतिथि को प्रतीक चिन्ह एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर अध्यक्ष प्रयागराज राजू गौड, संरक्षक अरविंद शुक्ला, महामंत्री अजय गिरी, चेयरमैन आदित्य श्रीवास्तव, मंत्री संजय चौहान, प्रचार मंत्री राजकिशोर,

मीडियाप्रभारी अमित कश्यप एवं धीरज कश्यप सहित निशांत, दीपक, किशन अन्य साथी मौजूद रहे।

बंद पड़े नल, यात्री महंगे दामों में पानी खरीदने को मजबूर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर गर्मी के दस्तक देते ही पानी की बिक्री में तेजी से शुरू हो जाती है।जिसका फायदा उठाने के लिए पानी विक्रेता हर तरह का हथकंडा अपनाकर यात्रियों की जेबों को हल्का करने को तैयार रहते हैं।

» यात्रियों के लिए पीने के पानी के कई नि:शुल्क बूथ बने हुए हैं। किंतु यात्रियों को पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं हो पा रही है

ताजा मामला प्लेटफॉर्म 2 दिल्ली साइड की ओर देखने को मिला, ऐसा लगा सुविधा के नाम पर यात्रियों को ठगा जा रहा है। यात्रियों के लिए पीने के पानी के कई नि:शुल्क बूथ बने हुए हैं। किंतु यात्रियों को पानी की एक बूंद

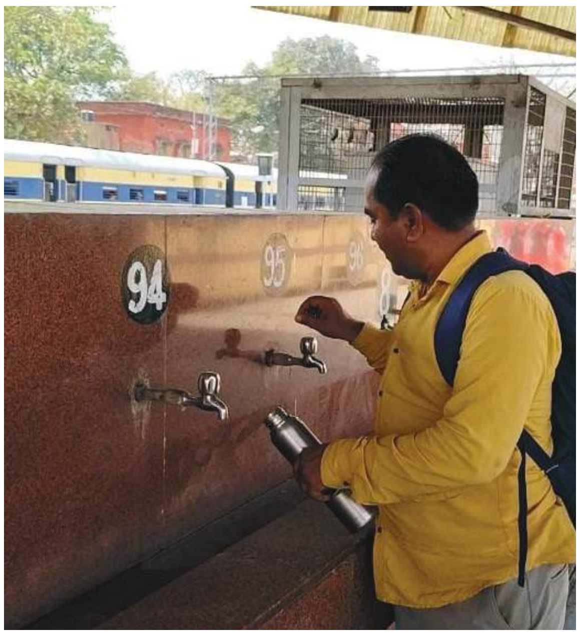

भी नसीब नहीं हो पा रही है।ऐसी अवस्था में मजबूरी वश यात्रियों को पीने के पानी को महंगे दामों पर खरीदकर पीना पड़ता है। कुछ यात्री ऐसे भी हैं। जिनके पास पानी खरीदने के पैसे नहीं होते हैं। वो स्टेशन पर लगे नलों के पानी पर ही निर्भर है। उन यात्रियों के लिए बिना पानी के विकट समस्या खड़ी हो जाती है। वो पूरे प्लेटफार्म पर पानी के लिए जूझते नजर आ जाएंगे कई यात्री पानी के लिए पटरी तक फांद जाते हैं ये भी नहीं सोचते है। ऐसा करने से उनकी जान पर भी आ सकती है।

आखिर कौन रोकता है प्लेटफार्मों की सप्लाई?

सूत्रों की माने तो ये कोई नया मामला नहीं है। गर्मी का सीजन आते ही रेलवे में पानी का खेल शुरू हो जाता है। ट्रेन आने से कुछ सेकंड पहले स्टेशन में लगे नलो के पानी की रफ्तार धीमी हो जाती है। या फिर बंद हो जाती है। फिर शुरू होता है पानी को महंगा बेचने का खेल, ?15 की पानी की बोतल ?20 में यात्रियों को बेची जाती है। अगर कोई यात्री इसका विरोध करता है उसे धकियाकर आगे बढ़ने को कह दिया जाता है भय और मजबूरीवश यात्री महंगे दामों पर पानी खरीदने को मजबूर हो जाते हैं।आखिर किसके इशारे पर पानी का बंदीकरण किया जाता है ये जांच का विषय है।

मीडिया का फोन नहीं उठाते हैं सीटीएम आशुतोष सिंह

स्टेशन पर समस्याओं को लेकर कानपुर सेंट्रल स्टेशन के सीटीएम आशुतोष सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया बताया गया कि वह फोन नहीं उठाते हैं ना ही ऑफिस में पब्लिक से जल्दी-जल्दी मिलते हैं। एसएससी हम यात्रियों को अपनी शिकायत दर्ज करने में दिक्कतों का सामना करना पड रहा है।

सम्पादकीय

सद्भावपूर्ण बातचीत से निकालें समाधान

खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी। जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततः स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा। सरकार को भी घाटे का सौदा साबित हो रही खेती की दशा सुधारने के लिये स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में सोचना चाहिए। वहीं कर्ज माफी की किसानों की मांग पर उदारतापूर्वक विचार करना चाहिए। जब उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया जा सकता है तो किसानों का क्यों नहीं। वहीं किसानों को भी चाहिए कि वे कृषि ऋण गैर उत्पादक कार्यों पर न खर्च करें। किसान संगठनों को भी एक मंच पर आकर जनता का विश्वास हासिल करना चाहिए?

बचपन में चींटियों को सरसों का तेल पिलाना

डॉ संजीव वर्मा

बहुत अच्छा लगता था। जहाँ कहीं ढेर सारी चींटियाँ दिखी तो अम्मा तुरंत कहती थी बेटा जाओ चींटियों को थोड़ा तेल पिला दो। हम दौड़ कर किचन में जाते सरसों के तेल की बोतल से एक कटोरी में थोड़ा सा तेल निकालते और जहाँ चींटियाँ होती वहां जाकर कुछ छींटे मारते और बड़ा खुश होते। उस समय इतना ज्ञान नहीं था कि चींटियाँ तेल पी भी रही हैं या कुछ और ही माज़रा है? बड़े होकर समझ में आया कि वो तेल पीकर खुश होकर वहां से नहीं जाती थी बल्कि तेल के अंदर मौजूद अलाईल आइसोथायोसायनेट की बदबू से परेशान होकर भाग खड़ी होती थी।

सरसों में तो यह फिर भी थोडा कम होता था मगर तोरिया में और भी ज्यादा होता था और तोरिया में एक तत्व और होता था और वह था एरुसिक एसिड। कीड़े मकोड़ों के लिए जहर है यह। यह एरुसिक एसिड ही तोरिया तेल को इतना विषैला बना देता था कि 1956 में स्र्र ने तोरिया तेल के मानव उपभोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया था।

सन 72 में कनाडा के वैज्ञानिकों ने तोरिया की एक नई प्रजाति विकसित की जिसमें एरुसिक एसिड की मात्रा बहुत कम (2% से भी कम) थी और तोरिया की उस प्रजाति से निकले तेल को नाम दिया कनोला।

कनोला (Canola) बोले तो कनाडा आयल लो एसिड (Can)ada + o(il) + l(o2) + a(cid)

एरुसिक एसिड में ख़राबी क्या है?

अधिक मात्रा में यह दिल का दुश्मन है मगर कम मात्रा में यह बहुत फायदेमंद है और ये जो अलाईल आइसोथायोसायनेट है ये सरसों और तोरिया के तेल में एक तीखी गंध पैदा करता है। कम मात्रा में एरुसिक एसिड की तरह यह बड़ा गुणकारी है। यह कैंसर से बचाता है। यह रसायन कीमोप्रिवेंटिव एजेंट है।कीमोप्रिवेंटिव एजेंट वह तत्व होते हैं जो कैंसर बनने की प्रक्रिया को या तो रोक देते हैं, या डिले कर देते है और या रिवर्स कर देते हैं। जिस तेल में जितनी ज्यादा गंध वह उतना ही अधिक गुणकारी। तो कैंसर से बचना है तो लौट आओ पुराने ज़माने में जब घरों में पूड़ियाँ रिफाइंड तेल में नहीं बल्कि सरसों के तेल में तली जाती थी। भारतीय स्र्रसोईघर वस्तुतः एक छोटा मोटा दवाखाना ही हुआ करता था। जब से यह स्र्किचन बना है तो दवाखाना बदलकर बीमारखाना हो गया है।

कैंसर को रोकने या वापस तक कर देने वाला तेल छोड़कर पता नहीं क्या क्या खाये जा रहे हैं!!और हाथी के बच्चों सुनो.... ये अलाईल आइसोथायोसायनेट मोटापे का भी दुश्मन है और इन्सुलिन रेजिस्टेंस को भी कम करता है। और हाँ जहाँ सरसों या तोरिया के तेल का दीपक जलता है वहां कीड़े मकोड़े मक्खी मच्छर नहीं आते। और हांबिजली ना हो और मच्छर तंग कर रहे हों तो सरसों का तेल लगाकर सो जाना मच्छर पास ना आवेंगे। लौट आओ वापस अपनी संस्कृति की ओर वरना नष्ट हो जाओग

डॉ संजीव वर्मा
प्रधान वैज्ञानिक (पशु पोषण)
भाकृअनु प - केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ

सामाजिक सुरक्षा ही सुनिश्चित करेगी खुशी

स्वास्थ्य और धन

योगेश कुमार गोयल

सरकारें क्या कभी स्थायी सामाजिक सुरक्षा, जिसमें आशियाना-आबोदाना और स्वास्थ्य लाभ शामिल हैं, उस पर सोचेंगी? यह किसी भी नागरिक को स्थायी खुशियां प्रदान करती है। फ़िनलैंड और नॉर्डिक देशों की सरकारों ने इसका ध्यान रखा, तभी वो सबसे आगे हैं।गुरुवार को प्रकाशित 'वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट 2025' के अनुसार, फिनलैंड को लगातार आठवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश घोषित किया गया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में अन्य नॉर्डिक देश एक बार फिर खुशहाली रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।

फिनलैंड के अलावा, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन शीर्ष चार में क्रमशः बने हुए हैं। आप क्या केवल धन से खुश हैं? यह बात विश्व खुशहाली रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होती। पूरी जीवनशैली का आकलन इनकी रेटिंग का आधार होता है। किसी देश की रैंकिंग लोगों द्वारा जीवनशैली के लिए पूछे जाने पर दिए गए उत्तरों पर आधारित थी। यह अध्ययन एनालिटिक्स फर्म 'गैलप' और 'संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क' के साथ साझेदारी में किया गया था।गैलप के सीईओ जॉन क्लिफ्टन ने कहा, 'खुशी केवल धन या विकास के बारे में नहीं है- यह विश्वास, आपसी संबंध और यह जानने के बारे में है, कि लोग आपका साथ दे रहे हैं। अगर हम मजबूत समुदाय और अर्थव्यवस्था चाहते हैं, जो वास्तव में सरकार और समाज को जोड़ती है, तो हर साल होने वाला आकलन उस देश विशेष के काम आता है।' दिलचस्प है, कि सारी दुनिया को ज्ञान देने वाला अमेरिका इस रेटिंग में

24वें स्थान पर आ गया है, जो 2012 में पहली बार रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद से उसका सबसे कम स्कोर है।

शोधकर्ताओं का कहना है, कि स्वास्थ्य और धन के अलावा, खुशी को प्रभावित करने वाले कुछ कारक भ्रामक रूप से सरल लगते हैं - दूसरों के साथ भोजन साझा करना, सामाजिक समर्थन के लिए किसी पर भरोसा करना और घर का आकार हमारे पैरामीटर्स थे। उदाहरण के लिए, मेक्सिको और यूरोप में, चार से पांच लोगों का घर खुशी के उच्चतम स्तर को दर्शाता है। नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार, दूसरों की दयानतदारी पर विश्वास करना भी इस शोध का एक पहलू रहा है।अध्ययन में पाया गया, कि नॉर्डिक राष्ट्र खोए हुए बटुए की अपेक्षित वापसी के मामले में शीर्ष स्थानों में शुमार हैं। खोया हुआ बटुआ से आशय वैसा धन, जिस पर उसके नागरिकों का हक़ है, या फिर वो पैसे भी, जो किसी ने मार लिये हों। नॉर्डिक देशों में बटुए की वापसी की वास्तविक दरें, लोगों की अपेक्षा से लगभग दोगुनी हैं।खुशियों की रैंकिंग में शीर्ष 20 में यूरोपीय देशों का दबदबा है, लेकिन कुछ अपवाद भी हैं। हमास के साथ युद्ध के बावजूद, इस्राइल 8वें स्थान पर आया। कोस्टा रिका 6वें, और मैक्सिको पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए। कभी खुशी-कभी ग़म से संयुक्त राज्य अमेरिका मुक्त नहीं है। अब वह 24वें स्थान पर पहुंच गया है, इससे पहले 2012 में अमेरिका 11वें स्थान पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका में अकेले भोजन करने वाले लोगों की संख्या में 53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चीन 68वें स्थान पर आया, जो पिछली रिपोर्ट में 60वें स्थान से नीचे है। ब्रिटेन 23वें स्थान पर है, जहां सरकार और समाज को हम सहिष्णु समझते हैं।

अफ़ग़ानिस्तान को फिर से दुनिया का सबसे नाखुश देश माना गया है। अफ़ग़ान महिलाओं का कहना है, कि उनका जीवन बद से बदतर होता गया है। पश्चिमी अफ्रीका में सिएरा लियोन दूसरे सबसे दुखी देश है। उसके बाद लेबनान है, जो नीचे से तीसरे स्थान पर है। सभी देशों को 2022 से 2024 के दौरान उनके स्व-मूल्यांकन किए गए जीवन के अनुसार रैंक किया गया है। इसमें खुशहाली को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया जाता है- सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की स्थिति।

करी पत्तों का कमाल, सेहत रहे बेमिसाल!

आयुर्वेद के मुताबिक करी पत्ता खाने को स्वादिष्ट और सुगंधित बनाने के साथ ही सेहत को भी कई तरह से लाभ पहुंचाता है। एक स्टडी के मुताबिक करी पत्ते में एंटीडायबिटिक, एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटीट्यूमर गुण पाए जाते हैं।

कई ऐसे पेड़-पौधे और फल-सब्जियां आदि होते हैं, जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। इन्हीं में करी पत्ता भी शामिल है। करी पत्ता को मीठी नीम के नाम से भी जाना जाता है। खाने में स्वाद और सुगंध ब?ाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। इनका स्वाद खट्टा और हल्का कड़वा होता है। एक स्टडी के मुताबिक करी पत्ते में एंटीडायबिटिक, एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटीट्यूमर गुण पाए जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको करी पत्ते को डाइट में शामिल करने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। करीपत्ता में पाए जाने वाले न्यूट्रिएंट्स के अनुसार, करी पत्ता में कैल्शियम, कॉपर, फाइबर, विटामिन ष्ट, फॉस्फोरस, कार्बोहाइड्रेट, मैग्नीशियम और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो कई बीमारियों के जोखिम को कम करते हैं। करी पत्ता में एंटी हाइपरग्लाइसेमिक गुण पाया जाता है। जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में सहायक होता है।

इसके साथ ही करी पत्ता कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने में मददगार होता है। इसके अलावा करी पत्ता में मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। वहीं एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर से टॉक्सिन्स को खत्म करते हैं और लिवर फंक्शन को बेहतर बनाने का काम करते हैं।

वेट लॉस में भी फायदेमंद है करीपत्ता

बता दें कि करी पत्ते में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने का काम करते हैं। इसका सेवन करने से शरीर अधिक कैलोरी बर्न करता है, जिससे वजन तेजी से कम होता है। वहीं करी पत्ता शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट को कम करता है। यह शरीर की फैट बर्निंग प्रक्रिया को तेज करता है और भूख कंट्रोल करने में मदद करता है। करी पत्ते के सेवन से ज्यादा खाने का मन नहीं होता है, जिससे वेट लॉस में भी मदद मिलती है।

हालांकि सिर्फ करी पत्ते के सेवन से ही वेट लॉस नहीं होगा। बल्कि इसके लिए आपको हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट लेने के साथ वर्कआउट करना भी जरूरी है। कच्चे करी पत्ते का सेवन, हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो करी पत्ते को कच्चा भी खाया जा सकता है। इसको सुबह खाली पेट खाने के कई फायदे होते हैं। आप चाहें तो इसको पानी में उबालकर भी पी सकते हैं या फिर करी पत्ते का पाउडर बनाकर खा सकते हैं। रोजाना 3-4 करी पत्ते का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। वहीं जरूरत से ज्यादा करी पत्ते का सेवन करने से इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं।

डाइट में ऐसे करें शामिल

आमतौर पर लोग करी, उपमा, सांभर, ढोकला और दलिया आदि में करी पत्ते का इस्तेमाल करते हैं। करी पत्ते की चाय भी बनती है। सुबह खाली पेट चबा सकते हैं।

सूप और स्मूदी में डाल सकते हैं। जूस में मिलाकर पी सकते हैं। इसे चटनी में भी डाल सकते हैं। खाने में तड़का लगा सकते हैं। क्या डायबिटिक लोग खा सकते हैं करी पत्ता बता दें कि डायबिटीक लोग भी करी पत्ते का सेवन कर सकते हैं। इसमें फ्लेवोनोइड्स और फाइबर जैसे कंपाउंड मौजूद होते हैं। जो शुगर लेवल को कंट्रोल करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को करी पत्ते एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

गूगल का कमाल, अब ईमेल खोजना आसान!

टेक्नोलॉजी

गूगल का नया एआई फीचर! अब जीमेल पर ईमेल खोजना होगा तेज़, स्मार्ट और आसान, समय की बचत के साथ मिलेगा सटीक रिजल्ट

जीमेल में अपडेट किया गया सर्च रिजल्ट सिर्फ कीवर्ड के आधार पर क्रॉनिकल ऑर्डर में ईमेल ही नहीं है। बल्कि इससे काफी आगे आ गया है। इसके अलावा अब इस सुविधा के अलावा अन्य तत्व जैसे कि हाल ही में आए, सबसे अधिक क्लिक किए गए ईमेल और बार-बार लिंक किए जाने को भी शामिल किया गया है।

गूगल अपने सर्च और अन्य फीचर्स के जरिए ग्राहकों की लाइफ को आसान बनाने का काम करता है। हाल ही में गूगल ने घोषणा की है कि वह जीमेल में एक स्मार्ट एआई पावर्ड सर्च फीचर पेश कर रही है, जिससे लोगों को सबसे ज्यादा रिलिवेंट ईमेल जल्दी से जल्दी रिकवरी में मदद मिलेगी।

जीमेली में अपडेटेड सर्च रिजल्ट सिर्फ कीवर्ड के आधार पर क्रोनॉजिकल नंबर में ईमेल ही नहीं। बल्कि इससे काफी आगे आ गया है। इसके अलावा अब इस सुविधा के अलावा अन्य तत्व जैसे कि हाल ही में आए, सबसे अधिक क्लिक किए गए ईमेल और बार-बार लिंक किए जाने को भी शामिल किया गया है। गूगल ने इस बात पर जोर दिया कि इस बदलाव से उपभोक्ताओं के सर्च के जरिए ईमेल के रिजल्ट सर्च में सबसे ऊपर की शक्ल की संभावना बढ़ती है, जिससे समय की बचत होती है और जरूरी जानकारी तक तेजी से बढ़ती है। इस सुविधा के उपलब्ध होने के बाद उपयोगकर्ता सबसे अधिक रिलिवेंट और सबसे हालिया सर्च रिजल्ट के बीच टॉगल कर सकते हैं।

मोस्ट रिलिवेंट सर्च रिजल्ट पर्सनल गूगल अकाउंट वाले उपभोक्ता के लिए ग्लोबल लेवल पर रोल आउट किए जा रहे हैं। इस खासियत को वेब के साथ-साथ एंड्रॉइड और नाइटली के लिए जीमेल ऐप पर डाउनलोड किया जा सकता है। गूगल ने यह भी बताया है कि भविष्य में बिजनेस उपभोक्ताओं के लिए इस फीचर का विस्तार किया जाएगा।

फैमिली फंक्शन में दिखें खास, थ्री पीस सूट देगा नया अंदाज!

फैशन मंत्रा

शादी से पहले संगीत, हल्दी और मेहंदी सेरेमनी होती है। इन सारे फंक्शन में महिलाएं सबसे ज्यादा खूबसूरत और अलग नजर आना चाहती हैं। इसके लिए महिलाएं सबसे अच्छे आउटफिट का चुनाव करती हैं। ऐसे में अगर आप भी हल्दी, मेहंदी और संगीत आदि के फंक्शन में सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आपको थ्री पीस सूट वियर कर सकती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले थ्री पीस सूट दिखाने जा रहे हैं, जो कि वेडिंग फंक्शन में पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। वहीं इन सूट को स्टाइल करने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

अगर आप भी हल्दी, मेहंदी और संगीत आदि के फंक्शन में सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आपको थ्री पीस सूट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले थ्री पीस सूट दिखाने जा रहे हैं।

प्रिंटेड सिल्क 3 पीस सूट

अगर आप हल्दी फंक्शन में शामिल होने जा रही हैं, तो आपको प्रिंटेड सिल्क 3 पीस सूट वियर करना चाहिए। इसमें आपका लुक बहुत खूबसूरत नजर आएगा। इस तरह के सूट में प्रिंट करके डिजाइन है। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों से 1,500 से 3,000 तक की कीमत में इस तरह का सूट ले सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आपको मिरर वर्क वाली ज्वेलरी पहन सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप मोजरी वियर कर सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क 3 पीस सूट, आप संगीत सेरेमनी में इस तरह का एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट वियर कर सकती हैं। इस सूट में बेहद खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी का वर्क किया गया है। इस सूट को वियर करने से आपको रॉयल लुक मिलेगा। आप ऑनलाइन या फिर मार्केट से 2,000 रुपए तक में इस तरह का सूट ले सकती हैं। इस सूट के साथ आपको चोकर या फिर सिंपल-सी चैन टाइप नेकलेस वियर करना चाहिए। यह आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा।

ऑर्गेंजा 3 पीस सूट

बता दें कि न्यू लुक पाने के लिए आप ऑर्गेंजा वाला 3 पीस सूट स्टाइल कर सकते हैं। आप इस तरह के सूट को मेहंदी फंक्शन में पहन सकती हैं। इस सूट में आपका लुक बहुत अच्छा लगेगा। ऑनलाइन के अलावा मार्केट से भी आप इस तरह का सूट सिर्फ 2,000 रुपए तक में ले सकती हैं।

इस सूट के साथ पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी वियर करनी चाहिए। वहीं अगर आप कुछ लाइट कलर का सूट पहनने का सोच रही हैं और भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो इस तरह के 3 पीस सूट को वियर कर सकती हैं।

अधिवक्ता हितों के लिए जान भी कुर्बान है:महेंद्र कुशवाहा

» लखनऊ-मथुरा में वकीलों के साथ हुई घटनाओं का तहसील के वकीलों ने किया विरोध

» राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम बिल्हौर को सौंपा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। लखनऊ-मथुरा में वकीलों के साथ हुई घटनाओं को लेकर बिल्हौर तहसील के वकीलों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। और न्यायिक कार्य से विरत रहे। इसके बाद एसडीएम बिल्हौर को राजयपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा।

शुक्रवार को बिल्हौर तहसील के अधिवक्ताओं में आक्रोश दिखा वजह थी लखनऊ-मथुरा में वकीलों के साथ बदसलूकी और मारपीट की। इसी को लेकर बिल्हौर बार एवं द लायर्स एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को एक सयुंक्त बैठक की। बैठक में सभी ने अपनी-अपनी बातें रखी। इसके बाद पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुँचे। वहाँ अपनी मांगों को लेकर राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिल्हौर रश्मि लाम्बा को सौंपा।

ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की माँग की। बिल्हौर बार एसोसिएशन के महामंत्री महेंद्र कुशवाहा ने कहा कि अधिवक्ता साथियों की लड़ाई लड़ने को हम हर तरह से तैयार हैं। लड़ाई कितनी भी लंबी क्यूँ न हो अधिवक्ता हितों के लिए जान भी कुर्बान है।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने लखनऊ-मथुरा में हुई वकीलों के साथ घटी घटनाओं की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा कि वकीलों पर हो रहे अत्याचारों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस दौरान द लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण कुमार, महामंत्री राजीव कटियार, अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह भदौरिया, अजीत सिंह, आशीष कुमार, शिवशरण तिवारी, विनय गौतम, अभिषेक पाण्डेय,अमित तिवारी, रफीक,अमित कमल समेत कई अधिवक्ता मौजद रहे।

18 फिट ऊंचा होगा अनवरगंज-मंधना एलिवेटेड ट्रैक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अनवरगंज-मंधना के बीच एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का इंतजार खत्म हुआ। प्रस्तावित एलिवेटेड ट्रैक की फाइनल डीपीआर की डिजाइन पर इंजीनियरिंग विभाग ने अपनी मुहर लगा दी है। एलिवेटेड ट्रैक जमीन तल से करीब 18 फुट ऊंचा बनेगा। उसके ऊपर सेतु निगम अपना फ्लाईओर बनाएगा जो दो तरफ नीचे उतरेगा। अभी तक 187 कब्जेदारों को नोटिस दिया जा चुका है। सबसे अधिक बेदखली गुमटी क्रासिंग से रावतपुर व गीतानगर क्रासिंग के बीच में है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटेड रेलवे ट्रैक पर करीब 200 से अधिक कब्जे हैं। 187 कब्जे वह हैं, जिन्हें मुआवजा अथवा शिफ्ट करके हटाया जाएगा। इसके अलावा अन्य कब्जे रेलवे की जमीन पर हैं। अधिकारियों के अनुसार प्रदेश सरकार रेलवे की इस परियोजना में रुचि दिखा रही है।

इस वजह से रेलवे ने भी संशोधित डीपीआर के बाद उसकी दिक्कतों को जल्द दूर करा रहा है। इस बारे में भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने बताया कि एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का शिलान्यास कराने के लिए दो बार रेल मंत्री से बात हो चुकी है। जून माह से पहले शिलान्यास कराया जाएगा।

सीएसजेएमयू के सामने होगा अटल स्टेशन

रेलवे अधिकारियों के अनुसार अनवरगंज-मंधना के बीच फर्रुखाबाद रूट पर अब केवल एक ही स्टेशन होगा। जो सीएसजेएमयू के सामने अटल स्टेशन बनेगा। मौजदू समय में रावतपुर और कल्याणपुर दो स्टेशन हैं। जो एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनने पर खत्म हो जाएंगे। अटल स्टेशन की जमीन चिह्नित कर ली गई है। उसका इसी माह टेंडर हो सकता है।

15.1 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर 975 करोड़ खर्च होंगे फर्रुखाबाद रूट पर प्रस्तावित एलिवेटेड ट्रैक की लंबाई 15.1 किलोमीटर है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस पर करीब 975 करोड़ रुपये खर्च होना प्रस्तावित है। अफसरों की मानें तो इस काम में लगभग तीन साल लगेंगे। इस दौरान फर्रुखाबाद रूट की ट्रेनों को डायवर्ट किया जाएगा। वहीं एलिवेटेड ट्रैक बनाने में जिला प्रशासन जमीन उपलब्ध कराएगा। कृषि विभाग नए स्टेशन के लिए जमीन देने में राजी है।

जिस दिन प्रेमी के नाम का टैटू बनवाया उसी दिन युवती की मौत

आरोप हैं कि युवती की हत्या कर रात में नहर में फेंका शव गया,पुलिस कर रही जांच

» पिता समेत चार लोगों के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

» शरीर पर मिले चोट के निशान, परिजनों की भूमिका संदिग्ध

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । एक युवती की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया था। परिजनों के अनुसार शिवली थाना क्षेत्र के फत्तेहपुर निहुठा गांव में 14 मार्च की शाम एक युवती फंदे से लटकी मिली। परिवार ने बिना पुलिस को सूचित करते हुए शव को बोरे में भरकर रामगंगा नहर में फेंक दिया। 16 मार्च को सचेंडी थाना क्षेत्र के धर्मंगदपुर के पास से युवती का शव बरामद हुआ।

मृतका के पिता मनोज कुमार ने 17 मार्च को शिवली थाने में बेटी की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाई। जब शव की तस्वीरें सामने आईं तो उन्होंने शव की शिनाख्त अपनी बेटी के रूप में की। पुलिस जांच में कई बिंदु सामने आए।युवती के शरीर पर चोट के निशान मिले।जिस दिन उसने प्रेमी के नाम का टैटू बनवाया उसी दिन उसकी मौत हुई।

इसके अलावा परिवार ने शव को छुपाने की कोशिश की और देर से गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इन तथ्यों के आधार पर पिता मनोज कुमार,सोमवती,शिवानी और कन्हैयालाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने,झूठी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराने और साजिश रचने का आरोप है।शिवली थाना प्रभारी हरमीत सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0बी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा
आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.
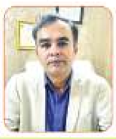
डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

स्वप्निल ममंगाई ने संभाला डीआईजी मेरठ पीएसी का कार्यभार

उन्होंने मीडिया से कहा कि प्रशासनिक और कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाने पर खास ध्यान रहेगा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

मेरठ। शासन स्तर से हाल ही में आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन के बाद तबादले की चल रही चर्चाओं को सोमवार को विराम लग गया।शासन ने देर रात्रि लगभग एक दर्जन से अधिक आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए है,जिसके तहत तेजतर्रार छवि के चर्चित आईपीएस अफसर स्वप्निल ममंगाई को मेरठ पीएसी का नया डीआईजी बनाया है।वही शुक्रवार को वर्ष 2011बैच के ईमानदार छवि के तेजतर्रार और न्यायप्रिय आईपीएस अफसर एवं नवनियुक्त डीआईजी स्वप्निल ममंगाई ने कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।इस दौरान उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं भी बताई।कार्यभार ग्रहण करने के बाद अपने कार्यालय पर पत्रकारों से बात की।

उन्होंने कहा कि प्राथमिकता रहेगी कि प्रशासनिक और कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाने पर भी ध्यान रहेगा तथा जनता के प्रति जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।साथ ही अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए योजना बनाकर कार्य किया जाएगा।कानून व्यवस्था को किसी भी हालत में बिगड़ने नहीं देंगे।बतौर पुलिस कप्तान कानपुर देहात ,रायबरेली ,मथुरा ,जालौन सहित लगभग एक दर्जन जिलों में कार्य किया है और सर्वसमाज को अपनी अच्छी पुलिसिंग दे चुके है।अब डीआईजी पीएसी मेरठ बनाए गए है.

22 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से जम्मू की फ्लाइट

मैच को लेकर जानकारी देते वेन्यू डायरेक्टर संजय कपूर और अन्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद। जो लोग वैष्णो देवी जाना चाहते हैं और ट्रेन या बस की लंबी यात्रा से बचना चाहते हैं उनके लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से 22 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से जम्मू की फ्लाइट शुरू हो रही है। जम्मू से कटरा की यह उड़ान महज एक घंटे की होगी। ऐसे में अब लोगों को वैष्णो देवी जाने के लिए दो-दो दिन या तीन-तीन दिन की छुट्टी लेने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।इसके अलावा इसी दिन चेन्नै से हिंडन की भी फ्लाइट शुरू हो रही है।

1 मार्च से ही एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से गोवा, कोलकाता, बैंगलुरू और फिर मुंबई के लिए कई फ्लाइट शुरू की जा चुकी हैं हिंडन से जम्मू की फ्लाइट सुबह 9:45 पर हिंडन से शुरू होगी जो जम्मू एयरपोर्ट पर सुबह 11:20 बजे पहुंचाएगी। अभी तक यह सुविधा केवल दिल्ली एयरपोर्ट से ही लोगों को मिल रही थी। जबकि जम्मू से हिंडन की फ्लाइट दोपहर 1 बजे की होगी जो दोपहर 2:30 पर हिंडन पहुंचाएगी। हिंडन से जम्मू की फ्लाइट शनिवार को छोड़कर रोजाना उपलब्ध होगी। ठीक इसी तरह से जम्मू से हिंडन की भी फ्लाइट शनिवार को छोड़कर रोजाना पैसेंजर्स के लिए उपलब्ध होगी।

वहीं हिंडन से चेन्नई के लिए दो अलग-अलग समय पर फ्लाइटें शुरू होनी हैं। एक फ्लाइट शाम 3:10 बजे शुरू होगी जो शाम 6: 05 बजे पहुंचाएगी। यह भी सुविधा शनिवार को छोड़कर रोजाना उपलब्ध रहेगी। शनिवार को हिंडन से चेन्नई के लिए एक फ्लाइट शुरू होगी। यह सुबह 9: 45 पर शुरू होगी जो 12: 40 पर चेन्नई पहुंचाएगी। जबकि चेन्नई से हिंडन के लिए पैसेंजर्स को सातों दिन फ्लाइट उपलब्ध मिलेगी। यह शाम 5:15 पर चेन्नई से रवाना होगी और शाम को 8: 25 पर हिंडन पहुंचाएगी।एयरइंडिया एक्सप्रेस की तरफ से 30 मार्च से शुरू होने वाले एयरइंडिया एक्सप्रेस के लिए भी टिकट बुकिंग शुरू कर दी गई है। हिंडन से भुवनेश्वर की फ्लाइट सुबह 9:20 पर शुरू होगी और 11:45 पर भुवनेश्वर पहुंचाएगी। ठीक इसी तरह से भुवनेश्वर हिंडन के लिए 12:15 पर उड़ान शुरू होगी जो 2:30 पर पहुंचाएगी। यह सभी फ्लाइट 180 सीटर है। वर्तमान समय में 80 प्रतिशत से अधिक की इनकी बुकिंग चल रही है।

भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का गढ़ बन रहा डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में प्रशासनिक भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताएँ और परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व कार्यपरिषद सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने विश्वविद्यालय में जारी भ्रष्टाचार और अन्य अनियमितताओं के खिलाफ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति को शिकायत पत्र भेजा है।शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत शिक्षकों की पदोन्नति में जानबूझकर देरी की जा रही है। योग्य शिक्षकों को अनावश्यक बाधाओं के कारण प्रमोशन नहीं दिया जा रहा, जबकि कुछ अयोग्य शिक्षकों को नियमों को ताक पर रखकर प्रमोशन दे दिया गया है। इसके अलावा, कई शिक्षकों का वेतन एरियर वर्षों से लंबित पड़ा है, जिससे वे मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं।

क्रय प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप

श्री सिंह ने विश्वविद्यालय में क्रय प्रक्रिया में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। पीएम उषा योजना के तहत की जा रही खरीद में पारदर्शिता का अभाव है, और ठेकेदारों को अनुचित लाभ देने के लिए नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। शोध परियोजनाओं को लेकर भी विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शोध कार्यों के लिए आवश्यक उपयोग प्रमाणपत्रों में जानबूझकर देरी की जा रही है, जिससे शिक्षकों का शोध कार्य प्रभावित हो रहा है। यह देरी विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रगति पर नकारात्मक असर डाल रही है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि परीक्षा प्रणाली में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य मनमाने ढंग से प्रश्नपत्र तैयार करवाते हैं, जिससे परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्यपरिषद चुनाव ना कराना- लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी

श्री सिंह ने आरोप लगाया कि मार्च 2023 से जून 2024 तक सह–आचार्य के रूप में किसी को नामित नहीं किया गया, जिससे विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संस्था कार्यपरिषद में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हुई है। शिकायत पत्र में डॉ. शिवि श्रीवास्तव के उत्पीड़न का मुद्दा भी उठाया गया है। उनके वेतन और अन्य लाभों को वर्षों से रोका गया है, और प्रशासनिक स्तर पर उनके मामले को अनावश्यक रूप से लंबित रखा गया है।

» ठेकेदारों को अनुचित लाभ देने के लिए उड़ाई गई नियमो की धज्जियाँ

» पूर्व कार्यपरिषद सदस्य ने राज्यपाल से की शिकायत

पूर्व कार्य परिषद सदस्य ओम प्रकाश सिंह

राज्यपाल से तत्काल कार्रवाई की मांग

पूर्व कार्य परिषद सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वे विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच करवाएं और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने मांग की है कि -

1. सभी लंबित पदोन्नतियाँ और वेतन एरियर का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए।
2. क्रय प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।
3. शोध परियोजनाओं में अनावश्यक देरी को समाप्त किया जाए।
4. परीक्षा प्रणाली में सुधार लाकर निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए।
5. कार्यपरिषद चुनाव जल्द से जल्द कराया जाए।
6. डॉ. शिवि श्रीवास्तव को उनका लंबित वेतन और अन्य लाभ दिलाए जाएँ।

शासन ने मांगे डीएम अंजनी कुमार सिंह के विरुद्ध कार्रवाई के साक्ष्य

» उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव अरुणेश कुमार द्विवेदी ने कार्रवाई के लिए शिकायत की पुष्टि और साक्ष्य मांगे।

»संस्था पीडब्ल्यूए, उत्तर प्रदेश ने मैनपुरी के डीएम अंजनी सिंह के खिलाफ की थी शासन से शिकायत

»गत दिसंबर में फरियादी माँ – बेटी को तेज़ आवाज़ में बात करने पर डीएम अंजनी सिंह ने पुलिस हिरासत में भेज दिया था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ । डीएम मैनपुरी के अनैतिक व्यवहार और कार्रवाई पर शासन कार्रवाई करेगा? यह देखने का विषय है। मामला विगत वर्ष दिसंबर मास का है। भ्रष्टाचार की शिकायत लिए जिलाधिकारी मैनपुरी अंजनी कुमार सिंह के पास पहुंची फरियादी मां-बेटी के साथ डीएम के दुर्व्यवहार और पुलिसिया कार्रवाई के विरुद्ध पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने शासन में शिकायत की थी। जिस पर डीएम अंजनी कुमार सिंह के विरुद्ध कार्रवाई का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव अरुणेश कुमार द्विवेदी ने शिकायत की पुष्टि और समर्थन में साक्ष्य की मांग की है। शुक्रवार को पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) ने के महासचिव पंकज कुमार सिंह ने बताया कि पीडब्ल्यूए की ओर से शासन के संयुक्त सचिव अरुणेश कुमार द्विवेदी के पत्र के जवाब में फरियादी माँ - बेटी पर की गई डीएम अंजनी कुमार सिंह की कार्रवाई का मीडिया कवरेज और अखबारों में छपी ख़बरों की कतरनों का एक बंच सेट संलग्न करते हुए साक्ष्य स्वरूप प्रेषित किया है। पीडब्ल्यूए के चेयरपर्सन वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार कटियार का कहना है कि उच्चाधिकारियों के विरुद्ध जनता की शिकायत पर ज्यादातर कोई कार्रवाई नहीं होती है, ख़ास तौर पर प्रशासन के बड़े अधिकारियों पर यह सटीक आंकलन सामने आता है। कार्रवाई में खाना पूरी कर ठंडे बास्ते में डाल दी जाती है। अब देखना है कि पीडब्ल्यूए द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य को संयुक्त सचिव कितना गंभीरता से लेते हुए सघन जांच करके कार्रवाई को अंजाम देते है।

अनैतिक कार्रवाई पर डीएम अंजनी कुमार सिंह की हुई थी थू-थू

7 दिसंबर 2024 को सुनवाई के दौरान मैनपुरी जिले के किशनी तहसील में समाधान दिवस के दिन महिला और उसकी बेटी को डीएम से सरकारी कर्मियों के भ्रष्टाचार और उसकी जमीन अपर अवैध कब्जे की शिकायत लिए फ़रियाद करने पहुंची थी। डीएम अंजनी कुमार सिंह के साथ में एसपी और एसडीएम भी थे। तभी वहां बहरामऊ गांव निवासी महिला

राधा और बेटी दिव्या आ गईं। दोनों डीएम से इस मामले में शिकायत कर रही थीं, माँ बेटी ने कड़ी नाराज़गी ज़ाहिर की। जिसपर डीएम अंजनी कुमार सिंह गुस्सा गए और डीएम ने जेल भेजने का फरमान सुनाया। उन्होंने कहा– दोनों शांति भंग कर रही है, दोनों को जेल में डाल दो। मीडिया को यह खबर चलते देर नहीं लगी और वायरल खबर से चौतरफा डीएम का भर्त्सना हुई थी डीएम को बैकफुट पर आना पड़ा और सफाई पेश की। मामले पर कानपुर की पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन ने रिज़ोलुशन पास कर शासन के कार्मिक एवं स्थापन विभाग सहित एनएचआरसी कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

मिल्कीपुर में जमीन अवैध कब्जा प्रकरण में आया नया मोड़

» समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का डीएम ने लिया था संज्ञान, दिए थे जांच के आदेश

» एसडीम की जांच में खुला अवैध कब्जेदार का काला चिट्ठा

» एसडीएम द्वारा नहीं की गई है किसी के पक्ष में धारा 67 ए के तहत आवंटन की कार्यवाही

» भूमिहीन एवं बेघर का राग अलापने वाले परिवार के पास उपलब्ध है पक्का मकान और 2 एकड़ से अधिक कृषि भूमि

स्वराज इंडिया अपना प्रदेश 10

चहेतों को जमीन आवंटन करने में फंसे एसडीएम मिल्कीपुर

अपर मुख्य सचिव करेंगे एसडीएम के खिलाफ मामले की जांच

» पहले से ही कई विवादों में आ चुके हैं एसडीएम मिल्कीपुर

स्वराज इंडिया अखबार में प्रकाशित खबर के बाद जांच हुई तेज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र स्थित पारा खानी गांव में अवैध कब्जेदार द्वारा किए गए अवैध निर्माण को क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा पुलिस फोर्स की मौजूदगी में गिरवाए जाने के मामले को सोशल मीडिया एवं विभिन्न समाचार पत्रों द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित एवं प्रसारित किए जाने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा स्वराज सांध्य दैनिक समाचार पत्र एवं सोशल मीडिया पर प्रकाशित तथा प्रसारित नोटिस दिए बिना घर पर चलवाया बुलडोजर प्रकरण में मांगी गई स्थलीय जांच रिपोर्ट में भूमिहीन एवं बेघर बताए जाने वाले परिवार के पास बड़े पैमाने पर खाते की कृषि भूमि एवं गांव में पुराना एवं पक्का मकान स्थित होना उजागर हुआ है। प्रकरण की सुस्पष्ट जांच रिपोर्ट एसडीएम राजीव रतन सिंह द्वारा जिलाधिकारी अयोध्या को प्रेषित कर दी गई है।

डीएम चन्द्र विजय सिंह अयोध्या

जिलाधिकारी के जांच आदेश पर तहसील प्रशासन द्वारा की गई जांच रिपोर्ट में उल्लेखित किया गया है कि ग्राम पाराखानी के राजस्व अभिलेखों में अनुसूचित जाति आबादी के खाते में गाटा संख्या 301/0.080 हेक्टेअर भूमि दर्ज है। उक्त गाटे के आंशिक भाग पर हनुमान पुत्र बेकारू द्वारा अस्थाई टिन सेड रखकर अवैध रूप से कब्जा किया गया था। उपरोक्त गाटे से सटे चक मार्ग के बाद अवैध कब्जेदार हनुमान पुत्र बेकारू के नाम कृषि योग्य भूमि उपलब्ध है।

उक्त प्रकरण में राम आनंद पुत्र वीरे द्वारा आइजीआरएस के माध्यम से कई शिकायती प्रार्थना पत्र दिए गए थे। उक्त प्रकरण की जांच क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा की गई। जांच के उपरांत क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा अवैध कब्ज़ा हटाए जाने हेतु कब्जेदार को सूचित किया गया तथा हनुमान की पत्नी श्रीमती गायत्री देवी को सूचित कर जांच के दौरान बनाए गए स्पॉट मेमो पर हस्ताक्षर भी बनाए गए।

साक्ष्य स्वरूप उपस्थित ग्राम प्रधान व ग्राम के अन्य संभ्रांत व्यक्तियों के भी हस्ताक्षर बनवाए गए थे।

अवैध कबजेदार को अवैध कब्ज़ा हटाए जाने हेतु सूचित किए जाने के बावजूद भी अवैध कब्जेदार द्वारा कब्जा न हटाए जाने के चलते शिकायत के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दृष्टिकोण से क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा स्थानीय पुलिस (पुरुष एवं महिला आरक्षी) की उपस्थिति में अस्थाई रूप से रखे गए टिन सेड के रूप में किए गए अवैध कब्जे को शांतिपूर्ण ढंग से हटवा दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रकरण में जांच के दौरान ग्राम प्रधान एवं ग्रामवासियों द्वारा अपने बयान में अवगत कराया गया कि अवैध कब्जेदार हनुमान पुत्र बेकारू के परिवार में हनुमान एवं उनकी पत्नी गायत्री देवी तथा एक पुत्र अविवाहित एवं दो बेटियां अविवाहित सहित कुल पांच सदस्य हैं। इनके पास गांव में एक पक्का आवासीय मकान बना हुआ है, जिसमें परिवार सहित आवासित है। तथा इसी गांव की आबादी की भूमि एक पुश्तैनी मकान खंडहर के रूप में भी स्थित है।

इसके अतिरिक्त जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेखित किया गया है कि अवैध कब्जेदार हनुमान पुत्र बेकारू के नाम कृषि योग्य भूमि गाटा गाटा संख्या 304 क्षेत्रफल 0.227 हेक्टेयर, गाटा संख्या 188 क्षेत्रफल 0.395 हेक्टेयर, गाटा संख्या 572 क्षेत्रफल 0.168 हेक्टयर एकल खातेदार के रूप में तथा गाटा संख्या 293 क्षेत्रफल 0.069 हेक्टेयर संक्रमणीय सह खातेदार भूमि अंकित है। इस प्रकार से उनके पास लगभग 0.824 हेक्टेयर कृषि भूमि तथा अन्य भाग भूमि उपलब्ध है। वहीं दूसरी ओर एसडीएम राजीव रतन सिंह द्वारा मिल्कीपुर तहसील में तैनाती के बाद से अद्यतन धारा 67 ए के तहत किसी भी प्रकार की आवंटन कार्रवाई नहीं की गई है। एसडीएम द्वारा की गई निष्पक्ष जांच के बाद अब अबैध कब्जेदार द्वारा झूठी एवं भ्रामक सूचना मीडिया को दिए जाने के सिलसिले पर भी लगभग विराम लग गया है।

लखीमपुर खीरी में मकानों पर लगे लाल निशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी । राजापुर चौराहे से डॉन बास्को पुलिया तक फोरलेन निर्माण का काम तेजी से शुरू हो गया है। सड़क के दोनों ओर बजरी-मौरंग का काम शुरू कर दिया गया है। चौड़ीकरण की जद में आए लाल निशान लगे मकान और दुकान तोड़े जा रहे हैं।राजापुर चौराहे से डॉन बास्को स्कूल के पास पुलिया तक फोरलेन का निर्माण शुरू कर दिया गया है। सोमवार को अतिक्रमण की जद में आए मकानों व दुकानों पर लाल निशान लगाए गए थे। किसी का तीन फुट तो किसी का साढ़े चार फुट अतिक्रमण पाया गया। पीडब्ल्यूडी की चेतावनी को देखते हुए मकान व दुकान स्वामियों ने निर्माण तोड़ना शुरू कर दिया है।

दुकान स्वामी श्याम सुंदर गुप्ता, विनोद कुमार, सचिन कुमार, बाबूराम, दिलीप कुमार आदि का कहना है कि सड़क के एक ओर रसूखदार लोग रहते हैं, जिधर नाला बना है, लेकिन उसे टस से मस नहीं किया जा रहा है, जबकि दूसरी तरफ के नाले को हटाकर पीछे किया जा रहा है। वजह है कि इस ओर गरीब लोग रहते हैं, जो अपनी आवाज बुलंद नहीं कर सकते। उधर, बिजली के खंभे व ट्रांसफार्मर अभी तक नहीं हटवाए गए हैं, जबकि सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। इससे लोगों में रोष है।सड़क चौड़ीकरण के कार्य में कार्यदायी संस्था मनमानी कर रही है। शुक्रवार को सुबह ऑफिस के समय पर पेड़ों की छंटाई शुरू कर दी गई, जिससे राजापुर चौराहे से लेकर सौजन्या चौराहे तक और खीरी रोड पर जाम लग गया। सिविल कोर्ट के वकील राजेश गुप्ता, मनमोहन त्रिवेदी, विवेक शुक्ला आदि ने बताया कि वह पौन घंटे की देरी से कोर्ट पहुंच पाए।

मकान स्वामी श्याम सुंदर गुप्ता, सीटू और सलीम आदि बताते हैं कि लाल निशान तो लगा दिए, लेकिन विभाग के किसी जिम्मेदार अधिकारी ने नहीं बताया कि उन्हें कितना निर्माण तोड़ना है। कोई साढ़े तीन फुट तोड़ने को कहता है तो कोई पांच फुट। विभाग को नपाई कराकर जितने फुट जगह लेनी है।

अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की होगी विजिलेंस जांच

सीएम योगी ने दिए आदेश, अब विभाग ने शुरू की कार्यवाही

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश पर और सख्ती कर दी है। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विजिलेंस जांच शुरू होने जा रही है। जल्द ही उनके खिलाफ टीम बनाकर आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू की जाएगी। योगी आदित्यनाथ कारोबारी से दलाल के माध्यम से कमीशन मांगने के मामले में अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर चुके हैं।

कारोबारी की शिकायत पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। अभिषेक प्रकाश को बाहर जाने से पहले उनको नियुक्ति विभाग से अनुमति लेनी होगी। योगी आदित्यनाथ के सख्त कार्रवाई के निर्देश के बाद नियुक्ति विभाग ने गृह विभाग को आईएएस अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच का पत्र भेजा है। इसके बाद विजिलेंस विभाग ने शुक्रवार को अभिषेक प्रकाश के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

आईएएस अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की जांच के लिए एक टीम बनाई जाएगी। जो पूरी जांच करेगी। जांच में देखा जाएगा कि उन्होंने तैनाती के दौरान कितनी संपत्तियां बनाई हैं। साथ ही रिश्तेदार और करीबियों के बारे में भी जांच-पड़ताल की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि आय से अधिक संपत्ति मामले में आईएएस अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें और बढ़ सकती है। अभी तक जहां-जहां अभिषेक प्रकाश तैनात रहे हैं। वहां सभी जगह पर जांच की जाएगी। यह भी देखा जा सकता है कि सीईओ इवेंस्ट यूपी रहते हुए उनके पास सबसे ज्यादा कौन-कौन आता-जाता रहा है।

बिचौलिया निकांत जैन गिरफ्तार

एसएईएल सोलर पॉवर कंपनी का प्रोजेक्ट पास करने के लिए पांच फीसदी घूस मांगने का आरोप अभिषेक प्रकाश पर है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह इस मामले में सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने ही शिकायत के बाद गोपनीय जांच कराई, जिसमें आरोप सही मिले। जिसके बाद योगी ने आईएएस अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे मामले की जांच और मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। जिसके माध्यम से अभिषेक प्रकाश ने रुपये की मांगे थे, उसको बिचौलिए निकांत जैन को चिह्नित करने के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। राजधानी लखनऊ में सोलर कंपनी से वसूली के प्रयास में गिरफ्तार आईएएस अभिषेक प्रकाश का बिचौलिया निकांत जैन 12 कंपनियों का मालिक भी था। शुक्रवार को जब एसटीएफ उसकी तलाश में विनम्र खंड स्थित आवास पहुंची, तो उसका रहन-सहन देखकर हैरान रह गई। निकांत के पिता सुधीर कुमार जैन ए क्लास के सरकारी ठेकेदार थे। उनके राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों से संबंधों का निकांत ने जमकर फायदा उठाया और अपनी पैठ बना ली थी।

आदमखोर तेंदुए ने पांच साल के बच्चे को घसीटा, हुई मौत

बहराइचः शौच के लिए गया था घर से बाहर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बहराइच। यूपी के बहराइच में एक तेंदुए ने पांच साल के बच्चे का शिकार किया है। शुक्रवार को नित्य क्रिया के लिए घर के बाहर गये बच्चे पर तेंदुए ने हमला बोल दिया। जबड़े में दबोचकर उसे घसीटते हुए ले गया। बाद में बच्चे का शव खेत में क्षत विक्षत अवस्था में बरामद हुआ। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। उधर सूचना मिलने पर पुलिस और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची।

ये घटना कतर्नियाघाट वन प्रभाग क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुजौली के मजरा भैंसहिया का है। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार पांच साल का विक्की शुक्रवार की देर शाम अपने घर के सामने नित्य क्रिया के लिए गया था। इस दौरान, परिवार के अन्य सदस्य कुछ दूरी पर उपस्थित थे। अचानक, तेंदुआ गेहूं के खेत से निकलकर गांव में पहुंच गया और विक्की को जबड़े में दबोच लिया।

घटना के तुरंत बाद विक्की के परिवार के सदस्यों ने उसकी खोजबीन शुरू की। उन्हें आस-पास के गेहूं के खेत में विक्की का क्षत विक्षत शव मिला। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का आकलन किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ बी शंकर ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यह तेंदुए के हमले की एक दुखद घटना है।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार की घटनाएं काफी दुर्लभ होती हैं लेकिन वन्यजीवों के संरक्षण की भावना के साथ-साथ स्थानीय लोगों की सुरक्षा के उपाय भी आवश्यक हैं। स्थानीय लोग इस घटना से बहुत दुखी और चिंतित हैं। उन्होंने वन विभाग से आग्रह किया है कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए उचित उपाय किए जाएं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इस घटना ने गांव में एक हताशा और भय का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का मानना है कि वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ मानव जीवन की सुरक्षा भी आवश्यक है। इस मामले में विस्तृत जांच के लिए वन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हों।

वन विभाग की टीम ने तेंदुए की गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है, ताकि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनहोनी से पहले कार्रवाई की जा सके।

ठगी के लिए युवक बना आठ बार की शादियां

लाखों के लिए लोन, पत्नियों को खूब लूटा

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां एक शातिर शख्स ने एक दो नहीं बल्कि 8 सरकारी टीचर को पहले अपने प्यार के जाल में फंसाया और फिर उनसे करोड़ों की ठगी की। यह शातिर दूल्हा शादी के बाद अपनी पत्नियों को धोखा देकर कहीं दूसरी जगह चला जाता था।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से सामने आई है, जहां एक शख्स ने 9 महिलाओं से शादी की, जिनमें 8 सरकारी टीचर्स थीं। इस दूल्हे ने इन महिलाओं को प्यार के जाल में फंसाया और उनसे करोड़ों रुपए ठग कर फरार हो गया। घटना का पता तब चला जब 2 पीड़ित पत्नियां पुलिस स्टेशन एक ही पति के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंची और अपनी पूरी कहानी सुनाई।बताया जा रहा है कि पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि यह मामला 2014 का है, जब अंबेडकर नगर की एक महिला शिक्षिका ने ऑनलाइन शादी साइट पर सोनभद्र के राजन गहलोत नामक युवक से शादी की थी। लेकिन 2016 में यह युवक उसे छोड़कर चला गया। महिला ने बताया कि उसके पति ने उससे 40 लाख रुपए का लोन दिलवाया था, जो उसने हड़प लिया और फिर भाग गया।

इसी बीच, दूसरी पत्नी संतकबीर नगर की रहने वाली महिला ने बताया कि उनकी मुलाकात 2022 में हुई थी और 2024 में उस युवक ने शादी का प्रस्ताव दिया। उसने खुद को आबकारी विभाग का कर्मचारी बताया और पैसों की जरूरत बताकर उससे 42 लाख रुपए का लोन ले लिया। उसके बाद वह रकम लेकर फरार हो गया। जब इन दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे से संपर्क किया और पता किया, तो उन्हें पता चला कि उनका पति एक ही है। इसके बाद दोनों ने अन्य महिलाओं के बारे में भी जानकारी जुटाई और 5 और महिलाओं के नाम पुलिस को बताए।

तैयारीः नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग गर्मी से मिलकर निपटेंगे

हीट वेव से बचाने के लिए जिला प्रशासन की रस्साकसी शुरू

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गर्मियों में लोगों को हीट वेव से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। बीते दिवस शुक्रवार को नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक में जिलाधिकारी ने तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शहर के बड़े चौराहे/ट्रैफिक सिग्नल पर दो पहिया वाहन सवारी के लिए छाया के लिए ग्रीन मैट्स और पेयजल की व्यवस्था की जाए।

जिलाधिकारी विशाख जी ने कहा कि अस्पतालों में पंखे, कूलर और एसी की मरम्मत कराने और ओपीडी, सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल व पंखों की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले में प्याइंट बनाकर पेयजल की व्यवस्था और ओआरएस की व्यवस्था कराई जाए। नगर निगम और पशुपाल विभाग को पशुओं को गर्मी से बचाने के लिए गोशाला में शेड बनवाने व पेयजल की व्यवस्था करें।अपर नगर आयुक्त ने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर निगम के सभी वार्डों में कुल 116 प्वाइंट्स बनाए जा रहे हैं। जिसमें टेंट में कूलर, पेयजल और गुड़ की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में सीडीओ अजय जैन, नगर स्वास्थ्य अधिकारी विजय कुमार, संचारी रोग के नोडल अधिकारी डॉ. गोपीलाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. निशांत निर्वाण आदि मौजूद रहे।

डेंगू से निपटने के लिए प्रत्येक जोन में पड़ने वाले तालाबों, जलाशयों, पोखरों और जल जमाव वाले क्षेत्रों की मैपिंग कराते हुए ड्रोन से एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाए। स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम प्रतिदिन स्मार्ट सिटी के लिए किए गए कार्यों की रिपोर्टिंग करेंगे, जिसकी 15 दिन में समीक्षा होगी।

सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलेगा। इसके तहत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई), फाइलेरिया, काला जार, कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों और कुपोषित बच्चों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरणकवच पोर्टल पर अपलोड करेंगे।